Research Guru
Online Journal of Multidisciplinary Subjects (ISSN : 2349-266X)
UGC Approved Journal No. 63726
Impact Factor:3.021 website: www.researchguru.net
Volume-11,Issue-4,March-2018

राष्ट्रीयकृत बैंकें: स्थापना एवं विकास और राजभाषा हिंदी

सुरतनभाई एम. वसावा
पीएच.डी. शोध छात्र
हिंदी विभाग
गूजरात विद्यापीठ,अहमदाबाद
E-mail: surtan.vasava83@gmail.com, Phon no : 9712242484

जब से बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ है, तब से भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन तथा राजभाषा अधिनियम, 1963 और उसके अंतर्गत बनाये गये राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन का दायित्व भार भी बैंकों पर आ गया। पिछले दो दशकों के दौरान समस्त सरकारी क्षेत्र के बैंकों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने की ओर कई ठोस कदम उठाये गये। यदि बैंकों में हिंदी के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना है तो बैंकिंग की जानकारी हिंदी में प्राप्त कराना अत्यावश्यक है। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखकर भारतीय बैकर्स संस्थान ने बैंकिंग उन्मुख हिंदी परीक्षा का शुभारंभ किया ताकि बैंकिंग के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को अपना सामान्य कामकाज हिंदी में निपटाने के लिए नयी प्रेरणा मिल सके।

'बैंक' एक अत्यधिक व्यापक शब्द है। इस शब्द की व्युत्पत्ति अत्यंत प्राचीन है। कुछ विद्वानों का यह मत है कि- "बैंक' शब्द की उत्पत्ति इटली के 'बैंक' (BANCO), शब्द से हुई है। इस शब्द का अर्थ मुद्रा में कार्य करने वाले व्यापार गृहों से है। कुछ विद्वान 'बैंक' शब्द की उत्पत्ति जर्मन भाषा के 'बैंक' (BANCK) शब्द से मानते हैं। इसका अर्थ संयुक्त स्कन्ध कोष है।"

प्रथम मत के अनुसार "'बैंक' शब्द की उत्पत्ति 'इटेलियन' भाषा के 'BANCO' बैंकों शब्द से हुई है जिसका आशय 'बैंच' से होता है। इटली में मुद्रा का लेन-देन करने वालों की अलग-अलग 'बैंचें' होती थीं जिन पर बैठकर लेन-देन का कार्य करते थे। इसी

'BANCO' शब्द से फ्रेंच भाषा का BANK शब्द बना तथा फ्रेंच भाषा के 'BANKE' शब्द से अंग्रेजी के 'बैंक' (BANK), शब्द की उत्पत्ति हुई।"

द्वितीय मत के अनुसार 'बैंक' शब्द का प्रादुर्भाव जर्मन भाषा के BANCK शब्द से हुई जिसका आशय संयुक्त स्कंध कोष (JOINT STOCK FUND) होता है। इस मत के समर्थकों के अनुसार 1171 में वेनिस राज्य में युद्ध के फलस्वरूप जो आर्थिक संकट उत्पन्न हुआ था उससे मुक्ति पाने के लिए वहॉ के राजा ने सभी व्यक्तियों से उनकी सम्पति का 1% भाग ऋण के रूप में लिया था। इस प्रकार ऋण के रूप में प्राप्त 'सामूहिक कोष' को जर्मन भाषा में 'BANCK' (बैंक), नाम दिया गया। इसी BANCK शब्द से अंग्रेजी के बैंक (BANK) शब्द का प्रादुर्भाव हुआ।"

इन दोनों विचारधाराओं में से कौन सी विचारधारा सही है यह कहना कठिन है लेकिन हाँ, इतना अवश्य कहा जा सकता है कि आधुनिक ढंग के बैंकों का विकास 'यूरोप' में हुआ है। धीरे-धीरे संसार में अन्य राष्ट्रों में इनकी स्थापना होती गई।

बैंकों का विकास (DEVELOPMENT OF BANKS)

आधुनिक युग की बैंकिंग संस्थाओं का रूप जो हमें देखने को मिल रहा है वह आज की देन नहीं है बल्कि यह केवल अतीत की संस्थाओं का संशोधित तथा परिष्कृत रूप ही है। आज के बैंकों द्वारा जो साख के लेन-देन का कार्य किया जा रहा है वह अतीत में भी किया जा रहा था। महाजन, साहूकार, व्यापारी आदि इस प्रकार का कार्य किया करते थे। फ्रेंच लेखक 'रेविल्यू' का मत है कि "वेबिलोनिया में ईसा से 600 वर्ष पूर्व भी बैंक तथा नोटों का अस्तित्व था। नवीं सदी में 'ऐसीरिया' में 'मिट्टी के टुकड़ों' पर साख पत्र लिखे जाते थे। 'न्यू टेस्टामेंट' में इस बात का वर्णन मिलता है कि ईसा मसीह के जीवन काल में 'जरूसलेम के मंदिर' में मुद्रा का लेन-देन करने वाले रहते थे लेकिन 'बैंक' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम 1157 में इटली में 'बैंक ऑफ वेनिस' के साथ प्रचलित हुआ। इसके पश्चात अनेक बैंक सन् 1401 में 'बैंक वारसी लोना', सन् 1407 में 'बैंक ऑफ जिनोआ' की स्थापना की गई। इसकी स्थापना के साथ ही साथ आधुनिक बैंकों का वास्तविक विकास प्रारंभ हुआ।"

वर्तमान समय में बैंकिंग व्यवसाय की जो विकसित स्थिति हम देखते हैं वह सदा से नहीं थी। बहुत ही धीरे-धीरे बैंकिंग प्रणाली अपने वर्तमान विकास स्तर तक पहुँची है। पाश्चात्य विद्वानों के मतानुसार "'बैंक' शब्द का उदगम ग्रीक शब्द 'बैंकों' से हुआ है जिसका अर्थ होता है 'बैंच'। प्राचीनकाल में भूमध्यसागरीय देश वाणिज्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की वित्त व्यवस्था के लिए ऋण और इटली के व्यापारी अंतरर्राष्ट्रीय व्यापार की

वित्त व्यवस्था के लिए ऋण अग्रिम दिया करते थे। वे वेनिस जैसे बंदरगाहों में बैंचों पर बैठकर विदेशी मुद्रा का लेन-देन किया करते थे। जब किसी व्यापारी का व्यापार ठप्प हो जाता तो उनकी प्रथाओं व परंपराओं को रोमन कानून और लॉ मर्चन्ट ऑफ इंग्लेंड में स्थायी रूप दे दिया गया।"

भारत में भी प्राचीन काल में जैन, वैश्य व मारवाड़ी लोग और सर्राफ बैंकिंग के कार्य यानी मुद्रा परिवर्तन, हस्तांतरण, जमा स्वीकार करना, ऋण देना आदि कार्य करते थे। "कौटिल्य के अर्थशास्त्र और मनुस्मृति में भी बैंकिंग क्रियाओं का उल्लेख है।" भारत में आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था का आरंभ अंग्रेजों के आगमन के बाद ही हुआ।

भारतीय बैंकों का राष्ट्रीयकरण (NATIONALIZATION OF INDIAN BANKS)

भारत में बैंकों के राष्ट्रीयकरण का प्रश्न सन् 1948 में ही उत्पन्न हुआ था किंतु उस समय यह प्रश्न दब गया था। कालान्तर में पुन: इनके राष्ट्रीयकरण का विचार जोर पकड़ने लगा। अन्ततः 19 जुलाई, 1969 को भारतीय सरकार ने एक अध्यादेश जारी कर भारत के 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया। ये बैंक हैं - सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बडौदा, युनाइटेड कॉमर्शियल बैंक, देना बैंक, युनियन बैंक ऑफ इंडिया, इलाहाबाद बैंक, सिंडिकेट बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र। सरकार ने भारत में विदेशी बैंकों का और उन देशी बैंकों का राष्ट्रीयकरण नहीं किया जिनके निवेश 50 करोड़ रूपये से कम थे। बाद में, 1980 में 6 अन्य ऐसे बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया जिनके निवेश 50 करोड रूपये से अधिक हो गए थे। इन बैंकों में आन्ध्र बैंक, पंजाब और सिंध बैंक, ओरियंटल बैंक आदि प्रमुख हैं।

भारत के राष्ट्रीयकृत बैंक (NATIONALIZED BANK IN INDIA)

1. इलाहाबाद बैंक (ALLAHABAD BANK) : "इलाहाबाद बैंक की स्थापना 24 अप्रैल, 1865 में हुई थी। इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है। इस बैंक की एक शाखा भारत के बाहर हॉगकॉग में स्थित है।"

2. बैंक ऑफ बडौदा (BANK OF BARODA) : " इस बैंक की स्थापना राणाजीराव गायकवाड तृतीय के द्वारा वर्ष 1908 में की गई थी तथा इसका मुख्यालय बडौदा में है। इस बैंक का राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई, 1969 को हुआ था।"

3. बैंक ऑफ इंडिया (BANK OF INDIA) : "इस बैंक की स्थापना 7 सितंबर, 1906 में की गई थी। इसका मुख्यालय मुंबई में है। इस बैंक का राष्ट्रीयकरण 1969 में हुआ था। बैंक

ऑफ इंडिया भारत में स्विफ्ट सोसायटी फॉर वर्ल्ड वाइड इण्टर बैंक फाइनेन्शियल टेलीकम्युनिकेशन की एक संस्थापक है।"

4. केनरा बैंक (CANARA BANK) : "केनरा बैंक भारत का प्रमुख वाणिज्यिक बैंक है। इसकी स्थापना वर्ष 1906 में हुई थी। इस बैंक का मुख्यालय बंगलुरु में है। टोटल ब्रान्च बैंकिंग के लिए आईएसओ प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाला पहला बैंक है।"

5. बैंक ऑफ महाराष्ट्र (BANK OF MAHARASHTRA) : "बैंक ऑफ महाराष्ट्र की स्थापना 16 सितंबर,1935 को हुई थी। इस बैंक का मुख्य उद्देश्य आम आदमी तक पहुँचना तथा उसकी सभी बैंकिंग जरूरतों को पूरा करना है। इस बैंक की स्थापना में वी.जी. काले तथा डी.के. साठे की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।"

6. आन्ध्र बैंक (ANDHRA BANK) : "आन्ध्र बैंक की स्थापना 20 नवंबर, 1923 में डॉ. पट्टाभि सीतारामैय्या द्वारा मसुलीपट्टटनम में हुई थी। इसका मुख्यालय हैदराबाद में हैं। इस बैंक को एमएसएमई नेशनल अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।"

7. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (CENTRAL BANK OF INDIA) : "इस बैंक की स्थापना सर साराबजी पोचखानावाला द्वारा 21 दिसंबर, 1911 में की थी। इस बैंक को पहला वाणिज्य बैंक होने का गौरव प्राप्त है। इसका मुख्यालय मुंबई में है।"

8. कोर्पोरेशन बैंक (CORPORATION BANK): "यह बैंक भारत का एक प्रमुख अनुसूचित बैंक है। इस बैंक ने 1952 में भारतीय रिजर्व बैंक से अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक होने की अनुज्ञप्ति प्राप्त की तथा यह भारत का तीसरा अनुसूचित बैंक बन गया था। इस बैंक का राष्ट्रीयकरण 15 अप्रैल, 1980 को हुआ था। इसका मुख्यालय मंगलौर में है।"

9. देना बैंक (DENA BANK) : "इस बैंक की स्थापना 26 मई, 1938 को देवकरण नानजी बैंकिंग कम्पनी लिमिटेड के नाम से हुई थी। बाद में इसका नाम बदलकर देना बैंक कर दिया गया था। इसका राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई, 1969 में हुआ था। इस बैंक का मुख्यालय मुंबई में है।"

10. इंडियन बैंक (INDIAN BANK) : "इंडियन बैंक की स्थापना 15 अगस्त, 1907 को हुई थी और इसका राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई, 1969 को हुआ था। इस बैंक का मुख्यालय चेन्नई में है।"

11. इंडियन ओवरसीज बैंक (INDIAN OVERSEAS BANK) : "इस बैंक की स्थापना 10 फरवरी, 1937 को श्री एम सीटीएम चट्टियार ने विदेशी विनिमय व्यवसाय तथा विदेशी बैंकिंग में

विशिष्टता के दोहरे उद्देश्य के साथ की थी। यह उपभोक्ता ऋण शुरू करने वाला पहला बैंक है। इसका मुख्यालय चेन्नई में है। इसका राष्ट्रीयकरण 1969 में हुआ था।"

12. ओरिएटल बैंक ऑफ कोमर्स (ORIENTAL BANK OF COMMERCE) : "इस बैंक की स्थापना 19 फरवरी, 1943 में राय बहादुर लाल सोहनलाल द्वारा लाहौर में हुई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।"

13. पंजाब नेशनल बैंक (PANJAB NATIONAL BANK) : "इस बैंक की स्थापना 1895 में हुई थी। यह एक अनुसूचित बैंक है तथा इसे भारतीय पूँजी से प्रारंभ होने वाले प्रथम बैंक का गौरव प्राप्त है। इस बैंक का मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह बैंक भारतीय स्टेट बैंक के बाद दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है।"

14. पंजाब एंड सिंध बैंक (PANJAB AND SIND BANK) : "इस बैंक की स्थापना 1908 में हुई थी। इसकी स्थापना में भाई वीर सिंह सर सुन्दर सिंह मजीठिया तथा सरदार तिरलोचन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। इस बैंक का मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह आईएसओ 9002 प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय बैंक है।"

15. सिंडिकेट बैंक (SYNDICATE BANK) : "इस बैंक की स्थापना टीएमए पाई वमन कुडवा द्वारा वर्ष 1925 में हुई थी तथा इसका राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई, 1969 में हुआ था।

16. यूनियन बैंक (UNION BANK) : "इस बैंक की स्थापना 11 नवंबर, 1919 को हुई थी। इसका उद्घाटन महात्मा गांधी द्वारा किया गया था। इसका राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई, 1969 को हुआ था। इसका मुख्यालय मुंबई में है।"

17. यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (UNITED BANK OF INDIA) : "इस बैंक की स्थापना वर्ष 1950 में चार बैंकों के विलय के बाद हुई थी। इसका मुख्यालय कोलकाता में है।"

18. यूको बैंक (UCO BANK) : "इस बैंक की स्थापना यूनाइटेड कॉमर्शियल बैंक के नाम से 1943 में हुई थी और वर्ष 1985 में इसका नाम बदल कर यूको बैंक कर दिया गया था। इसका राष्ट्रीयकरण 1969 में हुआ था। इसका मुख्यालय कोलकाता में है।"

19. विजया बैंक (VIJAYA BANK) : "इस बैंक की स्थापना 23 अक्टूबर, 1931 को अटयवर बालकृष्ण द्वारा हुई थी। इसका राष्ट्रीयकरण 15 अप्रैल, 1980 को हुआ था। इस बैंक का मुख्यालय बंगलुरु में है।"

उपर्युक्त विवेचन के आधार पर निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि आधुनिक ढंग के बैंकों का विकास 'यूरोप' में हुआ है। धीरे-धीरे संसार में अन्य राष्ट्रों में इनकी स्थापना होती गई और भारत में अनेक राष्ट्रीयकृत बैंकों के स्थापना एवं विकास के साथ-साथ स्वातंत्र्योत्तर काल में अपने बैंकिंग कामकाज में राजभाषा हिंदी का क्रमश: प्रयोग करने का प्रयास किया है। बैंकों का संबंध चूँकि आम जनता से भी है अत: हिंदी के प्रयोग से बैंकिंग कामकाज में लोगों से जुड़ने में सुविधा भी रहती है। भारत के प्रत्येक बड़े शहर में बैंकिंग नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियाँ हैं तथा प्रत्येक बैंक की अपनी राजभाषा कार्यान्वयन समिति है जिनमें प्रत्येक तिमाही में राजभाषा हिंदी के काम-काज की समीक्षा की जाती है तथा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में निर्णय लिए जाते हैं। साथ ही, बैंकों में राजभाषा हिंदी विषयक पद भी हैं जो कि बैंकिंग काम-काज में राजभाषा हिंदी के क्रमश: अनुपालन में सहयोग प्रदान करते हैं। इस तरह, बैंकों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग व्यापक रूप से हो रहा है तथा भारत सरकार की राजभाषा नीति क समुचित रूप से पालन किया जा रहा है।

संदर्भ सूची

1. मिश्रा, पारितोष, बैंकिंग विधि एवं व्यवहार, (Banking Law & Practice), प्रिन्टवैल, शापिंग सेन्टर तिलक नगर, जयपुर, 1987
2. डॉ. त्रिवेदी, इन्द्रवर्धन तथा जैन, राजकुमारी, बैंकिंग विधि एवं व्यवहार,संधी प्रकाशन जयपुर, उदयपुर,1990
3. सिंह, राम गोपाल, बैंकिंग हिंदी वाक्य रचना और अनुवाद,आकाश पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, उत्तराचल कालोनी, गाजियाबाद, 2012
4. www.Learnsabkuch.in